



CC-0 Pran Nath Kaul. Digitized by eGangotri



लहेडिडिभुडभाभा ॥ विहृगभुवि  
वदेमप्रवेमनिनभेडव ॥ भहु  
भभहुटेमेवविप्रभुभुगएये  
उ ॥ सुल्लभुगठगिहंममि  
वल्लमडहुलभा ॥ पुभउवदं  
एयेडचविप्रपमाउये ॥ मुहि  
प्रीडउमिहुउं प्रणिउयेः भुग  
पि ॥ भवविप्रदउउभुमीग  
पिपउयेरभः ॥ ग॥ गभपिप  
सुडेगएवउ भुलेवनः पुभ  
वैठवउविहंवरंउविगयकः  
पिभुभभवउउंउउकउंभुडि  
डीयकभा ॥ इडीयेरुभुपिहंउ

मउऊंरकपद्मिना॥ लभेदगपद्म  
 मेउपध्विचकएभेचम॥ मधुमेचिप्र  
 गलेइं प्रभुवलेउषाधुभा॥ नरभं  
 ठलमउं डरमभेउविगयकभा॥  
 एक रमं ग॥ भठिं डरमभेउ  
 यकभा॥ सुदमैउविगभनिग॥ म  
 शुभभादिउ॥ यःप० डुमिउविम  
 लठेइं विभुभाभा॥ विहृजीलठ  
 उचिउं एगजीविपलेणभा॥ पइजी  
 लठेउपइमेठजीपरभेपदभा॥॥

उडिमीं सुभूऊं गले सुभू  
 इमभुलेम  
 भापुडिठं





तिनभिविष्यदइ तिविष्यमे  
 नःभयायाद्विहृतिभुल्ललति  
 प्रभुगुलभीह यभिन्नद  
 उदभुंभभतिउरपिलंमृष्ट  
 उद्विभिरवैः कप्रभुःकपि  
 विभुः कसनकभलकःक  
 प्रनतः कसमीकप्रिचःक  
 पिमैलः कसनभल्लिगलः  
 कपिनकमिभइः से  
 उमिउःभगले चरभिहृदुते  
 ७. कउंरयानककउभरमुंरप  
 नः मयःभमभुम

यिउपरिवचिउमीचिप्रशिव  
 गयिउवरररणवक्रः॥॥॥ डि  
 लक्ष्मिमुगवलंभगवरमिउं  
 मेयकैमेदिउभुंदमेयउदणं  
 दिभकरभरुमेउणमेगेदिरेइमे  
 ददेउइछप्रउंवरपरमुपरेभाप  
 मिंदभरभुंगण्णेयंरुमुभुतिंइप  
 रवणकरेविप्रहंउभमि॥॥॥  
 त्रिउल्लभुगणंविभुममितलेग  
 उडुणं॥॥॥ प्रभप्रवमंएयेइववि  
 प्रपमाउये॥॥॥ मणिपीउरुमिभुं  
 प्रणिउयःभुरेगपि॥॥॥ भवविप्रमि

गभु

३

देउभैगलपिउयेरभः भूष  
भंवउउ'उउएकंभुंदिगीव  
कभा॥दरीयंदल्लपिंउमउऊंउ  
कपदिगभा॥लभेदंगपल्लुभंउ  
धंभुविकएभेवम॥भपुभंवि  
गणेमुंप्रभुवल्लउषाधुभभा॥  
रवभंहलगमुंउममंउविरय  
कभा॥एकदसंगलपडिंमुदमे  
भइरयकभा॥द्वदमेउरिगभा  
निगलेमधुभदङ्गरः॥यःपण्डे  
मिवैऊनिभलठेदिदिभउभा  
भा॥॥मिदुरऊकुभदउमर



विष्णुभक्तजल्लभमिदं  
मउतुल्यदेवभूतैवगलेषु  
रायकयमचक्रमिदंलल  
यनमःसिवय॥॥मिदमिदं  
गभीरंगमगमपदंस्त्रिभु  
गदराकमभक्तसंवदेवेग  
लेषुगभा॥॥सीमरुव  
मदरादुद॥॥पुंयमयेम  
पुं॥उदंकीउपिष्टमिभेइं  
भदल्लभ॥मउतुल्यमपि  
मउतुल्यमपि॥पुंयमये  
॥॥पुंयमये॥पुंयमये॥

गभि

८

जैः पथै भुषा पुपैः मीपै मले सु  
गभैः ॥ वभैः ऊजल की पुगै  
लिहि सु विउर कैः ॥ छुं छुं छुं  
पे सु भई मं मै सु भै मं कैः ॥ थर कै  
छुल भुल सु दे मै सु इ मि मि भुषा  
ग सु रु दे उ ग सु यं मी मै ले उ ग  
ले सु र भ ॥ वा रा ल भुं ग रा भ ॥  
ग य यं ए सु रा गि भ ॥ पु य रा  
उ ग ॥ ए छं के म रे वि क ए र ग  
ल भु रं ऊ रु छे रे मि भे य भं  
इ ए भ ॥ ए भु कं म ऊ कर ए ले के  
सं दि भ व सु गे ॥ वि सु के रं ग वि

वृक्षेभलयेदेभक्तभक्तभा॥१॥  
 यकेपक्षरक्षीपविष्टेसंमल्ल  
 लासिउभा॥७॥लकउविष्टुपे  
 दविष्टेपएरभा॥१॥शिरेइंमिंद  
 लक्षीपेष्टेउक्षीपेउवभरभा॥३॥  
 म्मिष्टिहंगलभेष्टुभलवेमीर  
 कलकभा॥१॥भारभूवरंदिष्टे  
 कमीरेछीभडुपिलभा॥१॥भिवृभा  
 गयेष्टेविष्टेसंभडुयकभा  
 ददहंयष्टुवरेकैलसेपरमे  
 सुभा॥१॥भदयेगीभदेष्टुसंभदेव  
 रदडुपिलभा॥१॥विलभयिष्टुद



गभ  
५

घंउपाटलेभिंदवदरभा॥येकु  
रेदुभायेगाधिकलपगाभकेण  
यभा॥भेरुपधेकभडुपंरगनेरग  
नेवरे॥विणयेवेगत्रुवरेदेवदरु  
वरेगलभा॥सुतुगेविप्रुदरलंग  
सुभागरभसुमे॥भदपधेविडुप  
देमिडुमेरेउपधरे॥दलयेयभा  
रीरेभुभुनेगत्रुभागे॥सभुगीध  
रुवरेभेदरेदसिरपरे॥किष्कि  
रुयाभगकेउंलसुधंगविडीध  
लभा॥कलिङ्गवरुलंगैवविनु  
पदेभेडुटभा॥ससुडुंगउरुधे

धृमीरेमङ्गलयावदभा॥ वएद  
 भुंकेभलेषदक्षिणवृत्तेउरिदिभ  
 सुलेहूउकरंगैवभएदेमेपुकी  
 त्रिउभ॥ एकंभूपसिभावोपुच  
 देमेपरणिउभ॥ उउरगवक्रं  
 मवरिध्वरिपुगेधम॥ दिरष्टकव  
 मंगैवगिरिभविधुमेसिउभा  
 भभापंगैकलिङ्गधरद्वयंमध  
 दुलभा॥ मदपुष्टंमदभयंउद  
 कलेहूदेसिवभा॥ गेकलेगण  
 कलेउकरुज्ज्वेवगरभा॥ य  
 म्मभरंकभउयेमीभापंभचउः





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दी.  
०

मीगल्लसयरभः ॥ त्रिभःसिच  
य ॥ त्रिगेरीसुगयकुवरउयकर  
॥ य ॥ कजिप्रियायकवहीतिठि  
मेकवय ॥ सचयमल्लसभरय  
कधसएय ॥ कदयकलमदर  
यरभःसिचय ॥ ० ॥ भवेसु  
रडेभतिठभसयिरे इभपति  
इभतिमेसुरेउमे ॥ विडेसकडेभ  
तिमदवाभमे ॥ निवउरगायर  
भभुपधिर ॥ १ ॥ त्रिहुरे ॥ वि  
दीरधनिहभद्विगमेउभः ॥ उप  
इययिउपुधुइ ॥ कुरुभदेसुर

ॐ कवयेधमभक्तभुगमेक  
 जलभुग॥ कवलवतिभयभुग  
 लंजुमभदेसुर॥ २॥ विधयेग  
 मधुभुगेणप्रिष्टुलिउभुग॥ ले  
 कमेकदिभक्तभुगलंजुमभ  
 देसुर॥ ३॥ इष्टुमल्लयारष  
 रभुभुवपल्लु॥ कपभुमीर  
 मिउभुगलंजुमभदेसुर॥ ४॥  
 कटैत्रारविष्टैत्रैः यमभुल्ल  
 विणयकैः॥ उंमिसंरीयभार  
 भुगलंजुमभदेसुर॥ ५॥ संभा  
 रपमल्लुववुरपीदिउभु



श्री.

३

भेदवृक्कविधभेषुरिपातिउभृ॥  
कभादिउभृठयरागापलीठउ  
भृ॥मीरभृभेऊरुठयोपरलेक  
राष॥३॥मीरेभिभरुणिधलेभि  
रिरमयेभि॥मृभृभिभापरा  
राउपरिवलिउेभि॥मृभेभि  
मृठगाउभेभिगाउयेभि॥७॥  
झिउेभिविकलेभिकलझि  
उेभि॥७॥मीउेभिठङ्गउेरे  
भिठयारकेभि॥मझमउवृ  
उिकरकुलयेउेभि॥रागा  
दिमृधरिकरैमृपरीठउेभि

महति सौमरिचभैः परिवर्त्तिते  
 भि॥००॥ एकाएवीडुभलभाम  
 ओषदिउभि॥ रिहभयेभूमर  
 लेभूमभल्लभेभि॥ सुमारि  
 दुमपिसामिकयादिउभि॥ द  
 मेभिदपसुपउसरलगउभि  
 ००॥ ददउभि विरभेभि रगुभि  
 मथलेद्विषैः॥ ठवालवनिभये  
 भि किंरुंभभरादभि॥०१॥  
 यदिरभिभदपथीयदिरा  
 भिठयादउः॥ यदिरैद्वियभ  
 उपुमुकुः सरलभभ॥०३॥

जी.

३

मुतेभद्रमेगहृभुतेगहृपा  
थरः॥उल्लावावेयेदोगःकष  
राघरपादिभभ॥०॥सुक  
लयासुहपाभुवगोमिभ  
भुल्लवेमिराघरद्रठितरमे  
दववैः॥सहृभुठिपदिमयाकु  
रुधेभेदे॥इउःपरंकषयकं  
सरलंवरुभः॥०॥इहेदंभ  
चणतुगंरतुगंमविमेधउः॥  
भहृद्रवभुवनभुकिभहृद्रव  
यभिउ॥०॥देवदेवभद्रदेव  
सर॥०॥गउवद्रल॥राहृभुउ





मी.  
५

पुंठकिदीरं कुयेलं ॥ भलिरवभ  
रगां रेति न लं पाप सीलभा ॥ र  
विराड् कु टिठी उं रेगि लं पूपु  
रुहं पलरा प रिडु उं र ह भं  
भवमके ॥ ॥ ॥ सुपत्रेभि मर ह  
भि भव व भेभि भव ग ॥ ठ ग  
वं भुं पु पत्रेभि र ह भं मर ॥  
ग उभा ॥ ॥ ॥ ए उ भु ए य भा र भु  
ग रु भु भु पि रे दिरः ॥ भा डु उ उ  
कु ले रा म य उ म भु उ रै व उ भा  
उ डि सी ल ह्ने र भे कुं मी र रु  
रु रं भु ल भा ॥ ॥ ॥ सु ठं ॥

विन भेदुलभाष्टे ॥ विम पदुला  
 भाषीकव मंलाष्टे ॥ ठेरवउ  
 वग ॥ विम जदेविलागम  
 उत्तलभाषावतीभ्रदभा ॥ कव

तंभिंनभनभुं पभं हं भुं भचा  
 उरुयिनीभा मरिभुनं मिनी  
 वरुभचलेक मुठु गीभा ०  
 हुलापचउं भभुं इनयनं  
 पी० इय पिपिं हुलाभुभु  
 भिउं भुभनं निउभुभुं

परवकुहंकदगर ॥ ॥ श्री  
 देवुग ॥ भगवदभेमी



मी.  
५

धुठकिदीरंकुमैले॥भलिरवभ  
रगाउंरिनुलंथापसीलभा॥र  
विण्डूकुरिठीउंरिगिलंपुपु  
रुत्रोपललापरिरुउंरुभं

उडिसीलकू रथंऊं मीररु  
रुंभभुलभा॥ ॥ सुठं ॥

विन भेदुन भोष्टे ॥ विम व सुला  
 भापीक व मंलिष्टे ॥ ॥ ठैर व उ  
 वम ॥ ॥ विम ज दे विराग म  
 उल्लुल भाष्ट वी भृद भा ॥ क व  
 मं भउ ग ठं ग डै ले रु विरा या  
 ठि प भा ॥ प प्र क सुं प रं गु हं र  
 क भृ क षि उं भ य ॥ विर भ र र  
 भि द्विः भृ द्क व मो र भ दे च रि  
 म व रु व भ र उ वं म धू या भा  
 ठ क य म ॥ रि रु क या रु मि धा  
 य र व रु वं क म म र ॥ ॥ ॥ श्री  
 दे व व म ॥ ॥ भ रा ष व म भे सी

अंरुणकषिउंभया अयंभभप्र  
 भजियंदः सभिवरुभमे ॥ सीठे  
 रउदय ॥ ५८ उभमभएके भयं  
 कलेवरइके ॥ कवमंभइगठंमप  
 ठरीयेपरइरभा ॥ भप्रमभइभं  
 भादिरैवेइरभभजयेउ ॥ देवउं  
 परयाठकूपठेइवमभइभम ॥  
 तिमभमीइलाभापीकवमभ  
 हेरवदधि ॥ दिधुधुः ॥ सीभरुइ  
 उइधिनीमीइलाभापीदेवउ ॥  
 हीगीणं ॥ सीमक्तिः ॥ पुवक्कील  
 कभा ॥ मउचनदलप्रपुउं ॥ सी



सुलाभापी श्री हं॥ कवमपाठे  
 विनियोगः॥॥॥ मव एरभा॥॥॥  
 उहु सुी उकरं सुभविठभापीभा  
 पीर उहु भुंरी॥ भहुः दुलभरेण  
 पमभभलं वामे करे विहु ग्रीभा॥  
 भहे, लीति वरं विवल् विलभझा  
 इहु यधिं पगं॥ रुहु लुरिके ॥ भ  
 एविगडं सुलाभापी रोधुदभा  
 उति एरभा॥॥॥ विंही मेपाउअ  
 वरं सुला सुदरभा डक॥ विंही  
 मी भवज सुलं इहु ग्री वि सुभा ड  
 क॥ विंही ली भोः भभा ए इहु ग्री

४.

भायाइवोभर॥ सिंघुंउंरंद्देः  
पायावेइमेविस्वभरुगी॥ सिंहीपें  
मोःपाउराभाउंउंकलोमभेदि  
री॥ टंएंडंइंद्देः कलापायाम्  
किसमदधी॥ तंतेतंतेभरु  
वामेभापेंमीरुगाडुपिली॥ मंघः  
सिंहीलीमेपायाइलंमेठगवा।  
मिरी॥ कंएंगंयंतेद्देः पाया॥  
भुजेभेदिपरेसुगी॥ रंमेठंएंडेः वरुः  
पायाइतैरुवेसुगी॥ एंरंरंरंद्देः  
तंरीइंमेवृइउरी॥ रंठंलंउं  
भुतेपायामीरुभंरीद्देः भरु॥

घंटे पं रं कुहिं पाया मभहीमीने  
 रं ॥ पंटे वं हीनेः पं सुभरुगी  
 पाउमेभरु ॥ हं मेयं रं मीनेः लेवे  
 रहिं मेव उक उक ॥ मं धं मं हं मं  
 पाउगुहं मे गुरु के सुगी ॥ लेहः पा  
 उमरु लिहं हीमी लिह विवामिरी  
 पेंली मेः पाउमेभरु वरुणी वं  
 नेः उवा ॥ विमी हीली कुं कुं पाउ  
 उकुमे पाउ मं भरु ॥ विपेंली मेः  
 वावहली एह पाया इमम  
 विमी मेः ली मरु पाया सुउमे  
 कुल भरुगी ॥ विमी हीली कुवरी



४०  
१

मगले ते मीमभावउ ॥ तिहीई  
 मीदेः पापाकुणीहीदेः उले  
 विपीमीपादेः पापाउहीमी  
 हीऊडिउमम ॥ तिहीमीऊटिला  
 हीमीपापपुंममेवउ ॥ तिमीमे  
 पाउपापभारहीहीदेः ऊऊ ॥  
 महुंभीपाउमेऊतीरऊऊमेसुगी  
 मम ॥ तेलीसुंमेपापासुऊसुगी  
 मवममम ॥ पाउमेसुतिमचालि  
 तिमीहीतेलीदेः मर ॥ पापदि  
 राठिपदउंहीमीमेवरुल्लमर  
 दुवमेपाउवेरुलीपापमुंतीत



सु.

३

कवगंभुंशिधलेकेधुमलठभ॥  
इलेहभल्लंरभभइगठंभदेसु  
मि॥मधुप्रभादसीसेदंहरांर  
गइये॥भधिकतुपदतुमपणद  
भुपवति॥ऊडुभेरलिपेदुलेसुभ  
वरभरेडभ॥भुभयेदपिलादेवा  
देदयेदपिलाःप्रः॥भरयेइक  
लाडुइवमयेदपिदेवउभे॥ए  
इवदेमरेइइंसइइइइइइइइइइइ  
उयेउरल्लिविवादेमकरयंरेग  
पीररे॥गदपीरदिकलेधुपठे  
इचंसभंरणेडे॥उडिमीकवमं



[illegible]

७.

डुडुपिनीसीलभापीरेव  
उ॥हीवीए॥मीमक्तिः॥प्रवः  
कीलकभा॥सुझःएमऊकभभे  
हउं॥भुउपाठेविनियोगः॥॥॥ए  
रभा॥॥॥मिमीउंसुडुडिभविठं  
ममिकलागुहंशिरेशंसिवां॥वि  
धकुरभरेणपीठविगतंभसी  
रभाप्रलिउभा॥हूलेदुमिउ  
भवगाउलतिकंवलमिदुधेदु  
लारहेदुमयगारिलेकरा  
नीदुलभापीरेभुदभा॥॥॥॥  
उंयेठराउभाउगीएउवभण

त्रिभुवनकुण्डलः॥३॥कुलभ  
 लीतिपत्रेउचरभवले॥पःभा  
 एकैगिरिसपदिभठक्तिप्रवभा॥  
 उभृदिपद्मसुगलेभराषवेष्ट  
 भीभउरइकिरलेररगद्मयति  
 ॥५॥पसधृणठयणैभभभच  
 मरुद्मचंडिडिभ्रगडियभुवभ  
 उभे॥उभृदिप्रडिसरलेरुपं  
 भयजेप्रहलयइरिवप्रायरा  
 भूपडः॥५॥ठहयसुयभिमंयदि  
 ठहभणैरापडिमेउभिभाउः  
 भंभ्रगतिरिवदुःखामउभृदुदे



सभभवपुमदुं ॥ १० ॥ कुतकी  
 लभरथंयदिष्टये ॥ एकभुवम  
 दसुगियेते ॥ सुधदभुकभलेधुभ  
 चष्टाभुधुदभकभभभुमिदुयः  
 ॥ ११ ॥ दसुयंभभभुतभुकिउंयेण  
 पेधुधभभुवदं ॥ १२ ॥ उधुमेविदवि  
 मद्रुदयःप्रणयत्रिमरन्तिदि  
 वेकभः ॥ १३ ॥ विहीमीदुदरेदे  
 विभुगभरतिभ्रमिनि ॥ १४ ॥ ईल्ल  
 विणयेभभुलभभपिरभेभु  
 ॥ १५ ॥ उमिउकमिरेलद्विल  
 श्रीगवभभभु ॥ १६ ॥ वरभुल्लय

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं भू भुवः स्वः ॥ ० ॥ म च  
 भाग्यं मे भवेत्तु भवत्तु भवत्तु ॥  
 निहृमतिभक्त्या गेहलाभपि  
 मे भुते ॥ ० ॥ इलाभः श्री भुवः  
 पठेयं पुत्रः ॥ श्री भुवः भुवः  
 विठ्ठलैकदेउं ॥ ॐ पुत्रः भुवः  
 विकल्पकदेउं ॥ भुवः भुवः  
 एतन्नीतिभः ॥ ० ॥ यभुभु  
 मसीविलेसगताय भुवः  
 ययः ॥ पसभेण वगठकाकर  
 उलाभेण भुवः ॥ गेहलाभः  
 भुवः ॥









तुम्हारे कर्तव्य

कमप॥ भवभुङ्गुं देवेमिदं भुंभम  
पचति॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
दतिष्ठेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
गुरुं भवतिष्ठेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
भमं गतिष्ठेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
पञ्चभमं पलं दिष्टेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
देवतं॥ भवभिमिष्टेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
रभपिष्टेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
रीष्टेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
सुष्टेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
मृष्टेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
रष्टेवमः॥ अरमिष्टादयं दंष्ट्र

अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र  
अरमिष्टादयं दंष्ट्र



पञ्च  
चिन्ता  
ल ३३  
लभा  
॥ ॥  
॥ ॥  
॥ ॥

उं नमो भगवते  
वदमस्तु  
मम सर्वे  
हा १२